University in News on 14 October 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाने वाले प्रोफेसर सोढ़ा नहीं रहे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के दम पर आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाने वाले पूर्व कुलपति प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा का शनिवार को निधन हो गया है। वे 92 वर्ष के थे।

प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा। (फाइल फोटो)

लविवि के साथ ही प्रो. सोढ़ा इंदौर के देवी अहिल्या विवि और भोपाल के बरकतुल्लाह विवि के भी कुलपति रहे थे।

वर्ष 1932 में जन्मे प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा को प्लाज्मा भौतिकी सिद्धांत के लिए भी जाना जाता है। विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के

लविवि के पूर्व कुलपति प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा का 92 वर्ष की आयु में निधन

लिए वर्ष 1974 में उन्हें शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और 2003 में पद्मश्री से नवाजा गया। वर्ष 1992 में कुलपति के रूप में उन्होंने लखनऊ विवि की कमान संभाली।

लविवि को आर्थिक तंगहाली से निकालने के लिए प्रो. सोढ़ा ने लविवि में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की शुरुआत की थी। इससे पहले लविवि में सिर्फ रेग्युलर कोर्स ही चलते थे। उनकी पहल का ही नतीजा है कि आज लविवि के इंजीनियरिंग संकाय और एलएलबी ऑनर्स से आई फीस से वेतन का एक बड़ा हिस्सा जुटाया जाता है। प्रो. सोढ़ा के निधन पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ ही सभी शिक्षकों ने दुख जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

i-NEXT PAGE 8

एलयू के पूर्व वीसी पद्मश्री महेंद्र सिंह सोढ़ा का निधन

वर्ष 1992 से 1995 तक रहे थे लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी

LUCKNOW (13 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी पद्मश्री प्रोफेसर महेंद्र सिंह सोढ़ा का 85 वर्ष की आयु में शनिवार सुबह निधन हो गया. वह निराला नगर में रहते थे. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अनुसार, वह लंबे समय से बीमार थे. एलयू में वर्ष 1992 से 1995 तक वीसी रहने के दौरान उन्होंने ही सबसे पहले सेल्फ फाइनेंस कोर्सों की शुरुआत की थी. उनके निधन पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने शोक जताया.

कई अवार्ड मिले थे

एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एनके पांडेय ने बताया कि एमएससी. और पीएचडी के दौरान प्रोफेसर एमएस सोढ़ा आईआईटी दिल्ली में उनके शिक्षक एवं भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष थे. उन्हें पद्मश्री और विज्ञान का शांति स्वरूप भटनागर अवार्ड भी मिल चुका है. प्रो. पांडेय के अनुसार जब वह देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर में वीसी बनकर जा रहे थे तो भौतिकी सोसाइटी के सचिव के रूप में मैंने आईआईटी दिल्ली में उनका विदाई भाषण पढ़ा था. वह एक महान भौतिक विज्ञानी, सहयोगी शिक्षाविद, शोधकर्ता और एक निपुण अकादमिक प्रशासक थे. उनका निधन अकादमिक जगत के लिए एक बड़ी क्षति है.

एक महत्वपूर्ण योगदान

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. सोढ़ा ने ही विश्वविद्यालय में सेल्फ फाइनेंस कोर्सो की शुरुआत की थी. जिसके बाद विश्वविद्यालय की आय में वृद्धि शुरू हो गई थी. भौतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डा. महेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि रिटायरमेंट के बाद भी प्रो. सोढ़ा काफी समय तक रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करते रहे. शिक्षा संकाय के डीन प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान लाने में प्रो. सोढ़ा का प्रमुख योगदान रहा.

THE PIONEER PAGE 2

Renovated Tagore Library unveiled

Lucknow (PNS): Lucknow University has unveiled a renovated Tagore Library.

"The library is ready to serve its readers in a new and improved format. The library now features an automatic attendance system, a modern catalogue, and a reading room that can accommodate 360 users simultaneously. The reading room offers comfortable seating and dedicated lighting at each study table. Previously, lighting was limited to tube lights on the walls. We've also improved ventilation with additional fans and windows," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

"A new issue counter has been established to enhance library services. Rare artwork from the library's art gallery, as well as historical artifacts from ancient times, will now be accessible to the general public. We will also implement modern technologies, such as a cyber library, an online public access catalog, e-resources, and an automated attendance system, to further improve the library's services," he added. Additionally, a statue of Rabindranath Tagore has been installed in the library.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : पूर्व कुलपति पद्मश्री महेंद्र सिंह सोढ़ा का निधन

जासं • लखनऊ : लवि के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा का 85 वर्ष की आयु में शनिवार सुबह निधन हो गया। लवि के शिक्षकों के अनुसार, वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। लवि में वर्ष 1992 से 1995 तक कुलपति रहने के दौरान उन्होंने ही सबसे पहले सेल्फ फाइनेंस कोर्सों की शुरुआत की थी, जिससे विश्वविद्यालय की आय में बढ़ोतरी हुई। उनके निधन पर लवि के शिक्षकों ने शोक जताया। लवि के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. एनके पांडेय ने बताया कि एमएससी और पीएचडी के दौरान प्रो. एमएस सोढ़ा आइआइटी दिल्ली में उनके शिक्षक एवं भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष थे। उन्हें पद्मश्री और विज्ञान का शांति स्वरूप भटनागर अवार्ड भी मिल चुका है। उनका निधन अकादमिक जगत के लिए एक बड़ी क्षति है और उनके पूर्व छात्रों के लिए व्यक्तिगत क्षति है। लवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. सोढ़ा ने ही विश्वविद्यालय में सेल्फ फाइनेंस कोर्सों की शुरुआत की थी, जिसके बाद लवि की आय में वृद्धि शुरू हो गई थी। भौतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रो. डा. महेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि रिटायरमेंट के बाद भी प्रो. सोढ़ा काफी समय तक रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करते रहे। शिक्षा संकाय के डीन प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान लाने में प्रो. सोढ़ा का प्रमुख योगदान रहा।

प्रो. महेंद्र सिंह सोढ़ा

TOI PAGE 4

A physicist who leaves behind a lasting legacy

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: Renowned physicist and former Vice-Chancellor of Lucknow University (1992-95), Padma Shri Mahendra Singh Sodha (92), passed away on Saturday following a prolonged illness. He is survived by his son, who is settled abroad.

The teaching fraternity grieved the demise of an outstanding researcher, teacher, and physicist who will always be remembered for his humbleness and dedication to physics. He continued to teach even when he was in a wheelchair. Prof Sodha is globally known for his work in plasma, optics, and energy.

FORMER LU VC PASSES AWAY

"Prof. Sodha was my teacher at IIT Delhi and Head of the Physics department during my time there. He was a great physicist, a prolific researcher, an articulate teacher, and an adroit academic administrator," said Prof. NK Pandey, head of LU's Physics department. "His demise is a great loss to the academic world and a personal loss to his former students," he said.

"As a physics teacher, whenever I learned that Prof. Sodha would be present at an academic event, seminar, or conference, I made sure to attend because I knew I would learn a lot," said retired Physics professor from Lucknow Christian College, Maulindo Mishra.

Vice-Chancellor of DDU Gorakhpur University, Prof. Poonam Tandon, said, "I had the honour of collaborating with him on joint projects"

Emeritus Professor of IIT-Delhi, Anurag Sharma, referred to Prof. Sodha as the "father of laser-plasma interaction".

Mahendra Singh Sodha